

अध्याय 4

भगवान के डाकिये

1 अंक वाले प्रश्न

1. "भगवान के डाकिये" का क्या अर्थ होता है?

उत्तर: "भगवान के डाकिये" का अर्थ होता है वे व्यक्ति जो भगवान के संदेश या आशीर्वाद को मानवों तक पहुंचाते हैं।

2. "भगवान के डाकिये" के पाठ में कौन-कौन से विशेषताएं बताई गई हैं?

उत्तर "भगवान के डाकिये" के पाठ में निम्नलिखित विशेषताएं बताई गई हैं:

- उनका संदेश लोगों को पहुंचाना
- दयालुता और सहानुभूति

3. "भगवान के डाकिये" का क्या संदेश है?

उत्तर: "भगवान के डाकिये" का संदेश है कि अगर हम दूसरों की मदद करते हैं तो हम अपने को भगवान के डाकिये के रूप में मानवता के लिए उपयोगी बन सकते हैं।

4. "भगवान के डाकिये" की व्यक्तित्विक विशेषता क्या है?

उत्तर: "भगवान के डाकिये" की व्यक्तित्विक विशेषता यह है कि वे दयालु और सहानुभूतिशील होते हैं और दूसरों के दुःख को समझते हैं।

5. "भगवान के डाकिये" का पाठ किस विषय पर आधारित है?

उत्तर: "भगवान के डाकिये" का पाठ मानवता, दया, और सहानुभूति जैसे मानवीय गुणों पर आधारित है।

2अंक वाले प्रश्न

1. "भगवान के डाकिये" के अनुसार, किस तरह एक व्यक्ति भगवान के डाकिये बन सकता है?

उत्तर: "भगवान के डाकिये" के अनुसार, एक व्यक्ति भगवान के डाकिये बन सकता है अगर वह अन्यो की मदद के लिए सक्रिय रहता है और दयालुता और सहानुभूति का अदान-प्रदान करता है।

2. "भगवान के डाकिये" का क्या महत्त्व है?

उत्तर: "भगवान के डाकिये" का महत्त्व है कि यह हमें दयालुता और सहानुभूति के महत्त्व को समझाता है और अन्यो की मदद करने का संदेश देता है।

3. कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए क्यों बताया हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:

कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए इसलिए कहा है क्योंकि जिस प्रकार डाकिए संदेश लाने का काम करते हैं, उसी प्रकार पक्षी और बादल भगवान का संदेश हम तक पहुँचाते हैं। उनके लिए संदेश को हम भले ही न समझ पाए, पर पेड़, पौधे, पानी और पहाड़ उसे भली प्रकार पढ़-समझ लेते हैं। जिस तरह बादल और पक्षी दूसरे देश में जाकर भी भेदभाव नहीं करते उसी तरह हमें भी आचरण करना चाहिए।

4. पक्षी और बादल द्वारा लाई गई चिट्ठियों को कौन-कौन पढ़ पाते हैं? सोच कर लिखिए।

उत्तर:

पक्षी और बादल द्वारा लायी गई चिट्ठियों को पेड़-पौधे, पानी और पहाड़ पढ़ पाते हैं।

5. किन पंक्तियों का भाव है :

(क) पक्षी और बादल प्रेम, सद्भाव और एकता का संदेश एक देश से दूसरे देश को भेजते हैं।

(ख) प्रकृति देश-देश में भेद भाव नहीं करती। एक देश से उठा बादल दूसरे देश में बरस जाता है।

उत्तर:

(क) पक्षी और बादल,
ये भगवान के डाकिए हैं,
जो एक महादेश से
दूसरे महादेश को जाते हैं।
हम तो समझ नहीं पाते हैं
मगर उनकी लाई चिट्ठियाँ
पेड़, पौधें, पानी और पहाड़
बाँचते हैं।

(ख) और एक देश का भाप
दूसरे देश में पानी
बनकर गिरता है।

6. "एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है" – कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:

एक देश की धरती अपने सुगंध व प्यार को पक्षियों के माध्यम से दूसरे देश को भेजकर सद्भावना का संदेश भेजती है। धरती अपनी भूमि में उगने वाले फूलों की सुगंध को हवा से, पानी को बादलों के रूप में भेजती है। हवा में उड़ते हुए पक्षियों के पंखों पर प्रेम-प्यार की सुगंध तैरकर दूसरे देश तक पहुँच जाती है। इस प्रकार एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है।

4अंक वाले प्रश्न

1. पक्षी और बादल की चिट्ठियों में पेड़-पौधे, पानी और पहाड़ क्या पढ़ पाते हैं?

उत्तर:

कवि का कहना है कि पक्षी और बादल भगवान के डाकिए हैं। जिस प्रकार डाकिए संदेश लाने का काम करते हैं, उसी प्रकार पक्षी और बादल भगवान का संदेश लाने का काम करते हैं। पक्षी और बादल की चिट्ठियों में पेड़-पौधे, पानी और पहाड़ भगवान के भेजे एकता और सद्भावना के संदेश को पढ़ पाते हैं। इसपर अमल करते नदियाँ समान भाव से सभी लोगों में अपने पानी को बाँटती है। पहाड़ भी समान रूप से सबके साथ खड़ा होता है। पेड़-पौधे समान भाव से अपने फल, फूल व सुगंध को बाँटते हैं, कभी भेदभाव नहीं करते।

2. आज विश्व में कहीं भी संवाद भेजने और पाने का एक बड़ा साधन इंटरनेट है। पक्षी और बादल की चिट्ठियों की तुलना इंटरनेट से करते हुए दस पंक्तियाँ लिखिए।

उत्तर:

पक्षी और बादल प्रकृति के अनुसार काम करते हैं किंतु, इंटरनेट मनुष्य के अनुसार काम करते हैं। बादल का कार्य प्रकृति-प्रेमी को प्रभावित करती है किंतु, इंटरनेट विज्ञान प्रेमी को प्रभावित करती है। पक्षी और बादल का कार्य धीमी गति से होता है किंतु, इंटरनेट का कार्य तीव्र गति से होता है। इंटरनेट एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक बात पहुँचाने का ही सरल तथा तेज माध्यम है। इसके द्वारा हम किसी व्यक्तिगत रायों को जान सकते हैं किन्तु पक्षी और बादल की चिट्ठियाँ हमें भगवान का सन्देश देते हैं। वे बिना भेदभाव के सारी दुनिया में प्रेम और एकता का संदेश देते हैं। हमें भी इंटरनेट के माध्यम से प्रेम और एकता और भाईचारा का संदेश विश्व में फैलाना चाहिए।

3. पक्षियों और बादल की चिट्ठियों के आदान-प्रदान को आप किस दृष्टि से देख सकते हैं?

उत्तर:

पक्षी और बादल की चिट्ठियों के आदान-प्रदान को हम प्रेम, सौहार्द और आपसी सद्भाव की दृष्टि से देख सकते हैं। यह हमें यही संदेश देते हैं।

4. 'हमारे जीवन में डाकिए की भूमिका' क्या है? इस विषय पर दस वाक्य लिखिए।

उत्तर:

डाकिया 'भारतीय सामाजिक जीवन की एक आधारभूत कड़ी है। डाकिया द्वारा डाक लाना, पत्रों का बेसब्री से इंतज़ार, डाकिया से ही पत्र पढ़वाकर उसका जवाब लिखवाना इत्यादि तमाम महत्वपूर्ण पहलू हैं, जिन्हें नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता। उसके परिचित सभी तबके के लोग हैं। हमारे जीवन में डाकिए की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। भले ही अब कंप्यूटर और ई-मेल का ज़माना आ गया है पर, डाकिया का महत्व अभी भी उतना ही बना हुआ है जितना पहले था।

कई अन्य देशों ने होम-टू-होम डिलीवरी को खत्म करने की तरफ कदम बढ़ाये हैं, या इसे सुविधा-शुल्क से जोड़ दिया है, वहीं भारतीय डाकिया आज भी सुबह से शाम तक चलता ही रहता है। डाकिया कम वेतन पाकर भी अपना काम अत्यन्त परिश्रम और लगन के साथ संपन्न करता है। गर्मी, जाड़ा और बरसात का सामना करते हुए वह समाज की सेवा करता है। भारतीय डाक प्रणाली की गुडविल बनाने में उनका सर्वाधिक योगदान माना जाता है।

रिक्त स्थान प्रश्न और उत्तर भरें:

1. "भगवान के डाकिये" के पाठ में किसी व्यक्ति को भगवान के संदेश _____ होते हैं।

उत्तर: "भगवान के डाकिये" के पाठ में किसी व्यक्ति को भगवान के संदेश पहुंचाने होते हैं।

2. भगवान के डाकिये का संदेश है कि हमें दूसरों की _____ करनी चाहिए।

उत्तर: भगवान के डाकिये का संदेश है कि हमें दूसरों की मदद करनी चाहिए।

3. "भगवान के डाकिये" वह होते हैं जो दयालुता और _____ में विश्वास करते हैं।

उत्तर: "भगवान के डाकिये" वह होते हैं जो दयालुता और सहानुभूति में विश्वास करते हैं।

4. इन व्यक्तियों की मदद से हमें भगवान के डाकिये बनने की _____ होती है।

उत्तर: इन व्यक्तियों की मदद से हमें भगवान के डाकिये बनने की संभावना होती है।

5. "भगवान के डाकिये" के पास _____ के संदेश होते हैं।

उत्तर: "भगवान के डाकिये" के पास भगवान के संदेश होते हैं।

6. ये व्यक्तियाँ समाज में _____ और दयालुता को प्रतिष्ठित करती हैं।

उत्तर: ये व्यक्तियाँ समाज में सहानुभूति और दयालुता को प्रतिष्ठित करती हैं।

7. भगवान के डाकिये उन्हें जो _____ देते हैं, वे उन्हें मानवता के डाकिये कहलाते हैं।

उत्तर: भगवान के डाकिये उन्हें जो सहायता देते हैं, वे उन्हें मानवता के डाकिये कहलाते हैं।

8. भगवान के डाकिये का संदेश है कि हमें दूसरों के _____ करने की आवश्यकता होती है।

उत्तर: भगवान के डाकिये का संदेश है कि हमें दूसरों के साथी करने की आवश्यकता होती है।

9. "भगवान के डाकिये" हमें समाज में दया और _____ का महत्त्व बताते हैं।

उत्तर: "भगवान के डाकिये" हमें समाज में दया और सहानुभूति का महत्त्व बताते हैं।

सारांश

"भगवान के डाकिये" हिंदी के पाठों में से एक है, जो मानवता और दया के महत्त्व को समझाता है। यह पाठ वह व्यक्तित्व या व्यक्तियों के बारे में बताता है जो दूसरों की मदद करते हैं और दया और सहानुभूति के गुणों को जीवन में अपनाते हैं। ये व्यक्तित्व समाज में उन लोगों की तरह होते हैं जो अन्यो की समस्याओं में रुचि दिखाते हैं और उनकी मदद करने के लिए तत्पर रहते हैं। इस पाठ से हमें सिखने को मिलता है कि हमें दूसरों की मदद करने और सामाजिक दया बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके माध्यम से हम जीवन में दया, सहानुभूति और सामाजिक सहयोग के महत्त्व को समझते हैं और अपने आसपास के लोगों के साथ समझौता करने की प्रेरणा प्राप्त करते हैं।